

बंदानु राघवेन्द्र इंदिल्लिगे ॥ प ॥
कंदन मोरे केळि जननियु बरुवंते ॥ अ ॥
गजवेरि बंदा जगदि ता निंदा
अजपित रामन पदाब्ज स्मरिसुतलि ॥ १ ॥
हरिय कुणिसुत बंद नरहरि प्रिय बंदा
शरणा गतरनु करव पिडिवेनेंदु ॥ २ ॥
प्रल्हाद व्यासमुनींद्र राघवेन्द्र
निलिसुत मनव मध्वेश विठ्ठलनल्लि ॥ ३ ॥